Q भीड़ की विशेषताओं का वर्णन करें? (Discuss its Characteristics.)?

Ans विशेषताएँ (Characteristics) भीड़ की निम्नलिखित विशेषताएँ होती है-

(1) व्यक्तियों का संग्रह - भीड़ व्यक्तियों का संग्रह होता है। इसमें बड़ी संख्या में लोग एक स्थान पर जमा हो जाता है। भीड़ के लिए व्यक्तियों की संख्या इतनी अवश्य होनी चाहिए कि उनके बीच निकट आमने-सामने का सम्बन्ध संभव हो। भीड़ के सदस्यों में निकट शारीरिक सम्पर्क होना आवश्यक है। अधिकांश भीड़ के लिए समय और स्थान पहले से निर्धारित नहीं होते है। परंतु कुछ भीड़ के लिए समय और स्थान पहले से निर्धारित नहीं होते है। जैसे - श्रोतागण में यह विशेषता देखी जा सकती है।

(2) सामान्य उद्देश्य - भीड़ का एक सामान्य उद्देश्य होता है। सड़क पर दुर्घटना होने पर देखते-देखते सैकड़ों लोग जमा हो जाते है और सबका एक सामान्य उद्देश्य होता है कि वह जानना चाहते है कि मरने वाला व्यक्ति कौन है, दुर्घटना कैसे हुई आदि। इसी प्रकार प्रत्येक भीड़ के पीछे एक सामान्य उद्देश्य होना आवश्यक है।

(3) अस्थायी स्वरूप - भीड़ की प्रकृति अस्थायी होती है। इसका जीवन अल्प/निश्चित होता है ~~...~~ इतना ही जल्दी अन्त भी हो जाता है। उदाहरणार्थ यह खबर सुनकर कि खेत में किसी युवती की लाश है, सैकड़ों लोगों की भीड़ जमा हो जाती है। इसी बीच पुलिस आती है और युवती की लाश उठाकर ले जाती है। इधर भीड़ खत्म होने लगती है और देखते ही देखते समाप्त हो जाती है।

(4) प्रतिबोध - भीड़ की एक विशेषता संवेदना है। सदस्यों में आगे बढ़ने तथा पीछे खिसकने के व्यवहार देखे जाते हैं जिससे उनके बीच शारीरिक सम्पर्क संभव होते हैं। शारीरिक सम्पर्क के कारण भीड़ के सदस्यों में शक्ति की चेतना विकसित होती है।

(5) सामान्य तनावपूर्ण स्थिति - भीड़ की अवस्था में लोगों को एक सामान्य ~~...~~ मानसिक तनावपूर्ण भाव संवेगात्मक स्थिति का बोध होता है। तनाव तथा संवेग का अनुभव उन्हें अधिक होता है जो भीड़ के केन्द्र में होते हैं और उन्हें अपेक्षाकृत कम होता है जो परिधि में होते हैं। किसी युवक के ट्रक से कुचलकर मर जाने तथा ड्राइवर के पकड़े जाने पर जो भीड़ जमा होती है

इसके करीब सभी सदस्यों को कम या अधिक क्रोध का संवेग होता है और वे ड्राइवर को पीटने हेतु तनाव से भर जाते हैं।

(6) सामान्य प्रेरणात्मक स्थिति - भीड़ की अवस्था में अधिकांश सदस्यों में एक सामान्य प्रेरणात्मक स्थिति पायी जाती है। वे सभी एक ही प्रेरणा से प्रेरित होते हैं। वही प्रेरणा उनके विचारों तथा व्यवहारों को सञ्चालित करती है। ऊपर के उदाहरण में भीड़ के सभी सदस्य ड्राइवर को पीटने की प्रेरणा से प्रेरित हो उठते हैं।

(7) विचार तथा व्यवहार में समानता - भीड़ के सदस्यों के विचारों तथा व्यवहारों में समानता पायी जाती है। करीब-करीब सभी सदस्य एक ही तरह से सोचने और व्यवहार करने लगते हैं। पॉकेटमारी हो जाने पर जो भीड़ जमा होती है उसके सभी सदस्य पॉकेटमार को पकड़कर पीटने की दिशा में सोचने लगते हैं तथा व्यवहार करने लगते हैं।

(8) अनुकरण तथा संकेतशीलता - अनुकरण तथा संकेतशीलता भी भीड़ की एक विशेषता है। यदि एक सदस्य पॉकेटमार को मारने लगता है तो दूसरे सदस्य भी उसे मारने लगते हैं। इस प्रकार भीड़

की अवस्था में एक सदस्य का आदेश दूसरा सदस्य सरलता से मान लेता है। यदि एक सदस्य शुरू करे कि पाकिस्तान का सिर मुड़वा दो तो दूसरा सदस्य भी तुरंत 'कहेंगे' हाँ-हाँ ऐसा ही करो।

(9.) सामूहिक शक्ति – भीड़ में सामूहिक शक्ति होती है। इसके सदस्य कन्धा से कन्धा मिलाकर चलते हैं। जाति संवेदना का बोध होता है। उन्हें यह महसूस होता है कि उनके साथ बहुत से लोग हैं। फलस्वरूप उन्हें सामूहिक शक्ति का बोध होता है।

Vijay Kumar Mishra
Asst Prof (Guest Faculty)
Dept of Sociology.
Date- 07/07/2021